

**KRANTIGURU SHYAMJI KRISHNA  
VERMA KACHCHH UNIVERSITY,  
BHUJ**

**NEP 2020**

**Proposed Structure of B.A.Sanskrit**

**(Honours/Research) Syllabus**

**To be Implemented from AY 2023-24**

DR. K. M. TRIVEDI  
B.O.S. CHAIR PERSON  
SANSKRIT

DR. KALPNA SATIJA  
DEAN  
FACULTY OF ARTS

<b>B.A. Sem : I</b>			
<b>Course Type</b>	<b>Course</b>	<b>Credit</b>	<b>Suggested Titles</b>
<b>Major</b>	DSCM -101	4	KUMARSAMBHAVAM SARG – 5
	DSCM -102	4	RATNAVALI - HARSHVARDHAN
<b>Minor</b>	MI -101	4	RAGUVANSHAM SARG - 2
<b>Multidisciplinary Course</b>	MD101	4	NITISATAKAM - BHARTRUHARI
<b>Ability Enhancement Course (Language)</b>	AEC 101	2	MALVIKAGNIMITRAM A STUDY : KALIDAS
<b>Skill Enhancement Ability Course/ Internship /Dissertation</b>	SEC 101	2	YOGA PART—1(NIYATANSH)
<b>Common Value Added Course</b>	VAC 101	2	ENVIRONMENTAL SCIENCE & SANSKRIT

<b>B.A. Sem : II</b>			
<b>Course Type</b>	<b>Course</b>	<b>Credit</b>	<b>Suggested Titles</b>
<b>Major</b>	DSCM -201	4	MADHYAMVYAYOG, KARNBHARAM
	DSCM -202	4	SUNDARKAND (NIYATANSH)
<b>Minor</b>	MI -201	4	SWAPNAVASVDATTAM - BHAS
<b>Multidisciplinary Course</b>	MD201	4	BUDDHACHARITAM SARG – 3 (ASHAVAGHOSH)
<b>Ability Enhancement Course (Language)</b>	AEC 201	2	HITOPDESH ( SELECTED STORIES)
<b>Skill Enhancement Ability Course/ Internship /Dissertation</b>	SEC 201	2	YOGA PART—2(NIYATANSH)
<b>Common Value Added Course</b>	IKS 201	2	IDEA OF PERSONALITY DEVELOPMENT IN BHAGVAD GEETA (NIYATANSH)

## SEMESTER – 1

Sr.	Course Type	Course	Credit	Work Hours / Week	Exam Hours	Internal	External	Practical	Total
1	Discipline specific course – Major	DSCM-101 <b>Kumarsambhavam Sarg - 5</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
2		DSCM-102 <b>Ratnavali - Harshvardhan</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
3	Minor	MI-101 <b>Raguvansham Sarg - 2</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
4	Multidisciplinary Course	MD 101 <b>Nitishatakam - Bhartruhari</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
5	Ability Enhancement Course (Language)	AEC 101 <b>Malvikagnimitram A Study : KALIDAS</b>	2	2	2:00	25	25	--	50
6	Skill Enhancement Ability Course/ Internship/ Dissertation	SEC 101 <b>YOGA PART—I (Niyatansh)</b>	2	2	1:00	25	15	10	50
7	Common Value Added Course	VAC 101 <b>Environmental Science &amp; Sanskrit</b>	2	2	2:00	25	25	--	50
	Total Credits		23	23		275	265	10	550

## SEMESTER – 2

Sr.	Course Type	Course	Credit	Work Hours / Week	Exam Hours	Internal	External	Practical	Total
1	Discipline specific course – Major	DSCM-201 <b>Madhyamvyayog, Karnbharam</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
2		DSCM-202 <b>Sundarkand (Niyatansh)</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
3	Minor	MI-201 <b>Swapnavasvdatam - bhash</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
4	Multidisciplinary Course	MD 201 <b>Buddhacharitam Sarg – 3 (Ashavaghosh)</b>	4	4	2:30	50	50	--	100
5	Ability Enhancement Course (Language)	AEC 201 <b>Hitopdesh ( Selected Stories)</b>	2	2	2:00	25	25	--	50
6	Skill Enhancement Ability Course/ Internship/ Dissertation	SEC 201 <b>YOGA PART—II (Niyatansh)</b>	2	2	1:00	25	15	10	50
7	Common Value Added Course	IKS 201 <b>Idea of Personality Development In Bhagvad Geeta (Niyatansh)</b>	2	2	2:00	25	25	--	50
	Total Credits		23	23		275	265	10	550
<b>EXIT COURSE : विगत पानां नंबर . २२</b>									

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24

B.A.SEMESTER – 1

COURSE – DSCM101

SANSKRIT

CREDIT- 04

**KUMARSAMBHAVAM SARG – 5**

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	महाकाव्यस्य उद्भवः, विकासः, लक्षणानि, कविपरिचयः, जीवनं-कृतय-समयः, कुमारसंभवस्य आधारस्थानानि, महाकाव्य-मूल्यांकनम्
UNIT 2	कुमारसंभव सर्ग - ९ कृति - अभ्यासः श्लोक 1 to 40
UNIT 3	कृति - अभ्यासः श्लोक 41 to 75
UNIT 4	अनुष्टुप्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, वसंततिलका, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडितम्, द्रुतविलम्बितम्, उपजाति, मालिनी, पृथिवी,

आधार ग्रंथोः संस्कृत साहित्यनो परिचय- अ.डी. शास्त्री, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो इतिहास- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
कुमारसंभव प्रा. सुरेश ज. दवे- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
कुमारसंभव डॉ. शान्तिकुमार पंडया, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
प्रशिष्ट संस्कृत छंद - डॉ. मनसुष मोलिया, पार्श्व प्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत छन्द संरचना - डॉ. वसंतकुमार लड्डे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद.

**प्रश्नपत्रं भाग्यं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निर्बंधात्मक प्रश्न अथवा निर्बंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	(अ)अनुवाद (४मांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ 04 06 10
3	2,3	विवेचनात्मक नोट : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
4	4	छंद-लक्षण बंधारण सहित समझवो. (४ मांथी २) Explanation of Chhanda with formation Illustration.(2 out of 4)	१० 10
5	1 to 4	टूट्टा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A.SEMESTER – 1

COURSE – DSCM102  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
RATNAVALI - HARSHVARDHAN

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	कविपरिचयः- जीवनं, समयः, कृतयः, उपरूपक-प्रकाराः, नाटिका- लक्षणानि, रत्नावली- मूल्यांकनम् आधारस्थानानि परिवर्तनं च
UNIT 2	कृति-अध्ययनम्- रत्नावली- १-२
UNIT 3	कृति-अध्ययनम्- रत्नावली- ३-४
UNIT 4	स्वर संधि (मात्र संधि – सूत्रो नही)

संदर्भ ग्रंथोः

रत्नावली, प्रा.सुरेश दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो ष्टितिलास-प्रा. सुरेश जे. दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
संस्कृत कवि दर्शन-भोलानाथ व्यास  
रत्नावली- लषट्टेव माधव, पार्श्व प्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत वाक्य संरचना  
सन्धि : संस्कृत भारती

**प्रश्नपत्रं माण्यं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निर्बंधात्मक प्रश्न अथवा निर्बंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	(अ)अनुवाद (४मांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ 04 06 10
3	2, 3	विवेचनात्मक नोध : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
4	4	(अ) संधि करो. (१२ मांथी १०) (ब) संधि छोडो. (१२ मांथी १०) (A)Do Sandhi (10 out of 12) (B)Dissolve Sandhi (10 out of 12)	०५ ०५ 05 05 10
5	1 to 4	टूंडा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A.SEMESTER – 1

COURSE –MI101  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
**RAGUVANSHAM SARG - 2**

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	महाकाव्यस्य उद्भवः, विकासः, लक्षणानि, कविपरिचयः, जीवनं-कृतय-समयः, रघुवंशस्य आधारस्थानानि, महाकाव्य-मूल्यांकनम्
UNIT 2	रघुवंश सर्ग - २ कृति - अभ्यासः श्लोक 1 to 40
UNIT 3	कृति - अभ्यासः श्लोक 41 to 75
UNIT 4	अनुष्टुप्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, वसंततिलका, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडितम्, द्रुतविलम्बितम्, उपजाति, मालिनी, पृथिवी

आधार ग्रंथोः रघुवंश- सर्ग -२ प्रा. सुरेश ज. दवे- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
रघुवंश- सर्ग-२ डॉ. शान्तिकुमार पंडया, डॉ. जगदीश जोशी, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो परिचय- ए.डी. शास्त्री, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो ष्टिहास- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो ष्टिहास- प्रो. जितेन्द्र देसाई, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
प्रशिष्ट संस्कृत छंद - डॉ. मनसुख मोलिया, पार्श्व प्रकाशन, अमदावाद  
संस्कृत छन्द संरचना - डॉ. वसंतकुमार लट्टे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद.

**प्रश्नपत्रनुं माणुं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	(अ)अनुवाद (४मांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ ०४ ०६ 10
3	2, 3	विवेचनात्मक नोध : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
4	4	छंद-लक्षण बंधारण सहित समजावो. (४ मांथी २) Explanation of Chhanda with formation Illustration.(2 out of 4)	१० 10
5	1 to 4	टूटा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A. SEMESTER – 1

COURSE – MD101  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
NITISATAKAM - BHARTRUHARI

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	भर्तृहरिः- जीवनम्, समयः, कृतयः च, मुक्तकसाहित्यम्- इतिहासः, लक्षणानि -नीतिशतकस्य मूल्यांकनम्
UNIT 2	नियत-श्लोकाः (20) श्लोक क्रमः 03,04,05,06,07,09,10,11,13,15,16,18,20,21,23,23,28,30,31,34
UNIT 3	नियत श्लोकाः (20) श्लोक क्रमः 35,36,37,39,40,41,42,43,44,45,46,47,48,49,51,58,59,63,64,65
UNIT 4	नियत श्लोकाः (20) श्लोक क्रमः 66,68,69,70,71,72,75,77,78,80,81,86,88,90,91,92,93,94,96,98

आधार ग्रंथोः नीतिशतकम् - सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाढ

नीतिशतकम् - पार्श्व प्रकाशन, अमदावाढ

नीतिशतक - प्रवीण पुस्तक भंडार, राजकोट

संदर्भ ग्रंथो संस्कृत साहित्यनो परियय- अ.डी.शास्त्री-पार्श्वप्रकाशन, अमदावाढ

संस्कृत साहित्यनो ष्टितास-सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाढ

**UNIT-2**

**श्लोक क्रमांक**

३.	प्रसह्य मणिमुद्धरेत्	मूर्धजन उपहास	मूर्खजन उपहासः
४.	लभेत सिकतासु	मूर्धजन उपहास	मूर्खजन उपहासः
५.	शशी दिवसधूसरो	प्रकृतिक्रम अने मनुष्य रुचि	प्रकृतिक्रम एवं मनुष्यरुचिः
६.	मणिः शाणोल्लीढ	प्रकृतिक्रम अने मनुष्य रुचि	प्रकृतिक्रम एवं मनुष्यरुचिः
७.	परिक्षीणः कश्चित्	समयनी अववत्तरता	समयस्य बलवत्ता
८.	विपदि धैर्यम्	महात्मा लक्षण	महात्मनः लक्षणम्
१०.	निन्दन्तु नीति	धीरपुरुष लक्षण	धीरपुरुष लक्षणम्
११.	हर्तुर्याति न गोचरम्	विद्याप्रशंसा	विद्याप्रशंसा
१३.	क्षुत्क्षामोऽपि	सत्त्ववान प्रशंसा	सत्त्ववतः प्रशंसा
१५.	मनसि वचसि	सज्जन लक्षण	सज्जनलक्षणम्
१६.	इतः स्वपिति	महापुरुष लक्षण	महापुरुष लक्षणम्
१८.	क्वचिद्भूमौ शय्या	सत्त्ववान प्रकृतिलक्षण	सत्त्ववतः प्रकृतिलक्षणम्
२०.	नमस्यामो देवान्	कर्मनी महत्ता	कर्मणः महत्ता
२१.	दौर्मन्यान्	व्यावहारिक उदापण	व्यवहारचातुर्यम्
२२.	जाड्यं ह्रीमति	गुणद्वेषी वर्णन	गुणद्वेषी वर्णनम्
२३.	जातिर्यातु रसातलम्	लोभीपुरुष लक्षण	कृपणपुरुष लक्षण
२८.	सम्पत्सु महताम्	महापुरुष लक्षण	महापुरुष लक्षणम्
३०.	दुर्जनः परिहर्तव्यो	व्यावहारिक सनीति	व्यावहारनीतिः
३१.	क्षीरेणात्मगतोदकाय	मैत्रीसौन्दर्य स्वभाव	मैत्रीसौन्दर्यस्वभावः
३४.	स्वल्पस्नायुवसा	सद्भागी-निर्भागीनी प्रकृति	सद्भागी-निर्भागी-प्रकृतिः



### UNIT-3

३५.	पापान् निवारयति	मित्रलक्षण	मित्रलक्षणम्
३६.	मृगमीनसज्जनानाम्	सहज शत्रु	सहजशत्रुः
३७.	सन्तप्तायसि	संगतिनुं इण	सङ्गतेः फलम्
३८.	कुसुमस्तबकस्येव	सत्ववाननी प्रकृति	सत्त्ववतः प्रकृतिः
४०.	मौनान्मूकः	सेवाधर्मनी दुष्करता	सेवाधर्मस्य दुष्करता
४१.	नम्रत्वेनोन्नमन्तः	सत्पुरुष चरित्र	सत्पुरुषचरित्रम्
४२.	लोभश्चेदगुणेन	निःशेष निर्णय-ज्वननुं सत्य	निःशेषनिर्णय-जीवनस्यसत्यम्
४३.	अम्भोजिनीवन	सत्ववाननी प्रकृति	सत्त्ववतः प्रकृतिः
४४.	खल्वाटो	निर्भागीनुं लक्षण	निर्भाणः लक्षणमृगिनः
४५.	नैवाकृतिः	कर्मनी महत्ता	कर्मणः महत्ता
४६.	ऐश्वर्यस्य विभूषणम्	सत्यरित्र-ज्वननो सार	सच्चरित्रं जीवनस्य सारः
४७.	एते सत्पुरुषाः	उत्तम, मध्यम, अधम पुरुषना लक्षणो	उत्तम, मध्यम, अधम पुरुषाणां लक्षणानि
४८.	जाड्यं धियो	संगतिनुं इण	सङ्गतेः फलम्
४९.	वाञ्छा सज्जनसङ्गमे	उत्तमपुरुषना गुणनुं वर्णन	उत्तमपुरुषस्य गुणवर्णनम्
५१.	तृष्णां छिन्धि	सदायरश उपदेश	सदाचार-उपदेशः
५८.	वरं पक्षच्छेदः	व्यावहारिक उपदेश	व्यावहारिक उपदेशः
५९.	नेता यत्र बृहस्पतिः	दैवनी प्रलभता	दैवस्य प्रलम्बता
६३.	दानं भोगो	धननी गति	धनस्य गतिः
६४.	यस्यास्ति वित्तम्	धननुं महत्त्व	धनस्य महत्त्वम्
६५.	रत्नैर्महाहैस्तुषुः	धीरत्व वर्णन	धीरत्ववर्णनम्

### UNIT-4

६६.	सन्त्यन्येऽपि	दुर्जन लक्षण	दुर्जनलक्षणम्
६८.	जयन्ति ते	कवि प्रशंसा	कवेः प्रशंसा
६९.	यद्वात्रा निजभाल	भाग्यनी बलवत्तरता	भाग्यस्य बलवत्तरता
७०.	लाङ्गूलचालन	धीर-अधीर लक्षण	धीर-अधीर लक्षणम्
७१.	राजन् ! दुधुक्षसि	राज्यकारभार विषयक	राज्यसञ्चालनविषयः
७२.	सत्यानृता	राजनीति स्वरूप	राजनीतिस्वरूपम्
७५.	अकरुणत्वमकारण	दुरात्मानि प्रकृति	दुरात्मनः प्रकृतिः
७७.	आरम्भगुर्वी	दुर्जन सञ्जन मैत्री स्वरूप	दुर्जन-सज्जनमैत्री स्वरूप
७८.	प्रदानं प्रच्छन्नम्	सञ्जन लक्षण	सज्जनलक्षणम्
८०.	भवन्ति नम्रास्तरवः	परोपकारीनुं लक्षण	परोपकारस्य लक्षम्
८१.	पद्माकरं दिनकरो	परोपकारीनुं लक्षण	परोपकारस्य लक्षम्
८६.	यदचेतनोऽपि	तेजस्वी पुरुष लक्षण	तेजस्विपुरुष लक्षणम्
८८.	आज्ञा कीर्तिः	राजसेवानुं इण	राजसेवायाः फलम्
९०.	उद्भासिताखिलखलस्य	दुर्जन लक्षण	दुर्जनलक्षणम्
९१.	विद्या नाम नरस्य	विद्यानुं महत्त्व	विद्यायाः महत्त्वम्
९२.	दाक्षिण्यं स्वजने	व्यावहारिक उपदेश	व्यावहारिक उपदेशः
९३.	करे श्लाघ्यस्त्यागः	व्यावहारिक उपदेश	व्यावहारिक उपदेशः
९४.	वहति भुवनश्रेणीम्	महापुरुषोनुं चरित्र	महापुरुषाणां चरित्रम्
९६.	परिवर्तिनि संसारे	व्यावहारिक उपदेश	व्यावहारिक उपदेशः
९८.	सिंहः शिशुरपि	सत्त्ववाननी प्रकृति	सत्त्ववानस्य प्रकृतिः

પ્રશ્નપત્રનું માળખું

પરીક્ષા સમય : ૨:૩૦ કલાક

Exam Time : 2.30 Hrs.

પ્રશ્ન ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પ્રશ્ન પ્રકાર	ગુણભાર
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	નિબંધાત્મક પ્રશ્ન અથવા નિબંધાત્મક પ્રશ્ન Descriptive question or Descriptive question	૧૦ 10
2	2,4	(અ)અનુવાદ (૪માંથી ૨) ૦૪ (બ)સંદર્ભ સમજૂતિ (૬માંથી ૩) ૦૬ (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) 04 (B) Reference to the context ( 3 out of 6) 06	૧૦ 10
3	2, 3	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
4	3, 4	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
5	1 to 4	ટૂંકા પ્રશ્નો (૮માંથી ૫) Short questions (5 out of 8)	૧૦ 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER – 1

COURSE –AEC101  
CREDIT- 02

SANSKRIT  
MALVIKAGNIMITRAM A STUDY : KALIDAS

MARKS : 25+25=50

UNIT 1	कवि-जीवन-कवन-समय: रूपकस्य-उद्भव-विकास:-प्रकारः आधारस्थान-परिवर्तन नाटकस्य लक्षणं च मालविकाग्निमित्रं - मूल्यांकनम्
UNIT 2	अंङ्क - 1,2,3,4,5 नोधः अनुवाद, संदर्भ अपेक्षित नथी

संदर्भ ग्रंथो : मालविकाअग्निमित्रं – डॉ. शान्तिकुमार पंडया वगेरे, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाढ  
मालविकाअग्निमित्रं – प्रा. पी.सी.दवे, प्रा. सुरेश ज. दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाढ

**प्रश्नपत्रनुं माणपुं**

परीक्षा समय : २:०० कलाक

Exam Time : 2:00 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1,2	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	1,2	विवेचनात्मक नोधः (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
3	1,2	टूटा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	०५ 05

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER – 1

COURSE –SEC 101  
CREDIT- 02

SANSKRIT  
**YOGA PART—1(Niyatansh)**

MARKS : 15+10+25=50  
(Theory +Practical+Internal)

UNIT 1	<p>Introduction To Yoga, Etymology Definitions Of Yoga According To Text. Aim And Objectives Of Yoga., Misconceptions About Yoga. Study Of Patanjali Yoga Sutras.(Pad : 1.2 To 14,Pad 1.30 &amp; 1.33) Concept Of Chitta, Chitta Vritti, Abhyasa And Vairagya, Chitta Vikshepas, Chitta Bhumis &amp; Chitta Prasadam. Prayer, Concept And Recitation Of Pranava (Mantra Om) Concept And Recitation Of Selected Prayers. 1. Shanti Mantra (Om Sahana Vavatu 2. Mahrshi Patanjali Prayer. 3. Yog Day Prayer (Sangachadvam...) 4. Om Sarve Bhavantu Sukhinah...</p>
UNIT 2	<p>Sukshma Vyayama From <b>Sitting Position</b>. Padanguli Naman, Goolf Naman, Goolf Chakra, Janu Naman, Janu Falak Akarshan, Ardha Titli, Shroni Chakra Poorna Titli. Mushtika Bandana, Manibandha Naman, Manibandha Chakra, Khehuni Naman, Skandha Chakra, Greeva Sanchalana. Sukshma Vyayama From <b>Standing Position</b>. Neck Movement, Shoulder Movement Griva Shakti Vikasaka (1,2,3,4) Bhuja Balli Shakti Vikasaka. Purna Bhuja Shakti Vikasaka. Trunk Movement, Knee Movement Kati Shakti Vikasaka (1,2,3,4,&amp;5) Jangha Shakti Vikasaka., Janu Shakti Vikasaka. Ankle Movement, Pada Mula Shakti Vikasaka.</p>

સંદર્ભ ગ્રંથો: પતંજલી યોગસૂત્ર  
યોગવિદ્યા – પૂ. ભાણદેવજી – પ્રવિણ પ્રકાશન, રાજકોટ  
યોગાસન – ડો. પી.ડી.શર્મા – નવનીત પબ્લિકેશન, અમદાવાદ  
કોમન યોગ પ્રોટોકોલ – ગુજરાત રાજ્ય યોગ બોર્ડ, ગાંધીનગર

**પ્રશ્નપત્રનું માળખું**

પરીક્ષા સમય : ૧:૦૦ કલાક

Exam Time : 1.00 Hrs.

પ્રશ્ન ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પ્રશ્ન પ્રકાર	ગુણભાર
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1,2	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
2	1,2	ટૂંકા પ્રશ્નો (૧૨ માંથી ૧૦) Short questions (10 out of 12)	૦૫ 05

ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પરીક્ષાનો પ્રકાર	ગુણ
1	1,2	યુનિવર્સિટી પ્રેક્ટિકલ પરીક્ષા	૧૦

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER – 1

COURSE – VAC 101  
CREDIT- 02

SANSKRIT  
ENVIRONMENTAL SCIENCE & SANSKRIT

MARKS : 25+25=50

UNIT 1	<b>महाभारत नियत श्लोक</b>
UNIT 2	<b>रामायण - स्कन्दपुराण- श्रीमद्भागवत पुराण, अध्याय, 23 नियत श्लोक</b>

સંદર્ભ ગ્રંથો: સંસ્કૃત વાઙ્ગમય મેં પર્યાવરણ - ડો શંકરલાલ શાસ્ત્રી, હંસા પ્રકાશન, જયપુર  
વૃક્ષ માહાત્મ્ય - ડૉ ડુર્ગા જોષી નવદુર્ગા પ્રકાશન, અમરેલી  
મહાભારત શાંતિપર્વ અધ્યાય-૧૭૭ ભાંડારકર ગુજરાતી આવૃત્તિ- પ્રવીણ પ્રકાશન , રાજકોટ  
વાલ્મીકિ રામાયણ - ગીતાપ્રેસ ગોરખપુર

**महाभारत नियत श्लोक**

धर्मस्यार्थस्य कामस्य फलमाहुर्मनीषिणः । तडागं सुकृतं देशे क्षेत्रमेव महाश्रयम् ॥

વિદ્વાન મનીષીઓએ તળાવ નિર્માણને ધર્મ, અર્થ અને કામ એ ત્રિવિધ ફળ આપનારું કહ્યું છે, તળાવ તો જે તે પ્રદેશમાં પુષ્પદાયી છે, પુષ્પ ક્ષેત્ર છે અને મહાન આશ્રયરૂપ છે.

चतुर्विधानां भूतानां तडागमुपलक्षयेत् । तडागानि च सर्वाणि दिशन्ति श्रियमुत्तमाम् ॥

તડાવને ચારેય પ્રકારના પ્રાણીઓ માટે ઉપયોગી સમજવું જોઈએ. સર્વે તળાવો ઉત્તમ સંપત્તિ આપનારાં છે.

देवा मनुष्या गन्धर्वाः पितरोरगराक्षसाः । स्थावराणि च भूतानि संश्रयन्ति जलाशयम् ॥

દેવો, મનુષ્યો, ગંધર્વો, પિતૃઓ, સર્પો, રાક્ષસો અને સ્થાવર ભૂતો (પર્વત, વૃક્ષ વગેરે) એ સહુ જલાશયોનો આશ્રય લે છે.

अतीतानागते चोभे पितृवंशं च भारत । तारयेद्वृक्षरोपी च तस्माद्वृक्षान्प्ररोपयेत् ॥

હે ભારત ! વૃક્ષારોપણ કરનારો પુરુષ પોતાના પૂર્વજો અને ભવિષ્યના સંતાનો-એ બંને પ્રકારના પિતૃવંશને તારે છે. તેથી વૃક્ષો વાવો.

तस्य पुत्र भवन्त्येते पादपा नात्र संशयः । परलोकगतः स्वर्गं लोकांश्चाप्नोति सोऽव्ययान् ॥

જેને કોઈ પુત્ર નથી તેના આ તેણે વાવેલાં વૃક્ષો જ પુત્રો છે, એમાં કોઈ સંશય નથી. વૃક્ષ વાવનાર (મૃત્યુ પછી) પરલોકમાં જઈ સ્વર્ગમાં અક્ષય (ફળદાયી) લોકોને મેળવે છે.

पुष्पैः सुरगणान्वृक्षाः फलैश्चापि तथा पितृन् । छायाया चातिथीस्तात पूजयन्ति महीरुहाः ॥

હે તાત ! ધરતી પર ઉગેલા વૃક્ષો પોતાના પુષ્પોથી દેવગણોનું, ફળોથી પિતૃઓનું અને છાયા વડે અતિથિઓનું પૂજન કરે છે.

किन्नरोरगरक्षांसि देवगन्धर्वमानवाः । तथा ऋषिगणाश्चैव संश्रयन्ति महीरुहाः ॥

કિન્નરો, સર્પો, રાક્ષસો, દેવો, ગંધર્વો, માનવો અને ઋષિ ગણો એ સહુ વૃક્ષોનો આશ્રય લે છે.

**पुष्पिताः फलवन्तश्च तर्पयन्तीह मानवान् । वृक्षदं पुत्रवदवृक्षास्तारयन्ति परत्र च ॥**

આ જગતમાં ફૂલ અને ફળથી લચી પડતાં વૃક્ષો માનવોને જે વૃક્ષોનું દાન કરે છે (એટલે કે લોક હિતાર્થે વૃક્ષ વાવે છે) તેને તે વૃક્ષો પરલોકમાં પુત્રની જેમ તારી દે છે.

**तस्मात्तडागे वृक्षा वै रोप्याः श्रेयोर्थिना सदा । पुत्रवत्परिपाल्याश्च पुत्रास्ते धर्मतः स्मृतः ॥**

તેથી કલ્યાણની કામના કરનારે હંમેશાં તળાવ તટે વૃક્ષો વાવવાં. વળી એ વૃક્ષોનું પુત્રોની જેમ જતન કરવું. કેમ કે ધર્મતઃ વૃક્ષોને પુત્રો જ માનવામાં આવ્યા છે. -અનુશાસન પર્વ, મહાભારત

**वनं राजा धृतराष्ट्रः सपुत्रो व्याघ्रा वने संजय पाण्डवेयाः। मा वनं छिन्धि सव्याघ्रं मा व्याघ्रान्नीनशो वनात् ॥**

હે સંજય, પુત્રો સહિત રાજા ધૃતરાષ્ટ્ર એક વન છે અને પાંડવો એ વામાં નિવાસ કરવાવાળા વાઘ છે. આથી વાઘ સાથે આ વનને ન કાપો અને તેમાંના વાઘોનો નાશ ન કરો.

**निर्वनो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनम् । तस्माद्व્યાघ्रो वनं रक्षेद्वનं व्याघ्रं च पालयेत् ॥**

વનથી બહાર નીકળેલો સિંહ મૃત્યુ પામે છે અને સિંહ વિના વનને બધા લોકો આસાનીથી કાપી નાખે છે. માટે સિંહ વનની રક્ષા કરે અને વન સિંહનું પાલનપોષણ કરે. (મહા. ઉદ્યોગપર્વ)

**तत्र वृक्षा मधुफला नित्यपुष्पफलोपगाः । पुष्पाणि सुगन्धानि रसवन्ति फलानि च ॥**

તે સ્થાનના વૃક્ષો પર હંમેશાં ઘણા મીઠા ફળ અને ફૂલો ઊગે છે. પુષ્પો સુગંધિત અને ફળો રસદાર હોય છે.

**सर्वकामफलास्तत्र केचिन्वृक्षा जनाधिप । अपरे क्षीरिणो नाम वृक्षास्तत्र नराधिप ॥**

**ये क्षरन्ति सदा क्षीरं षड्रसं चाऽमृतोपमम् । वस्त्राणि च प्रसूयन्ते फलेष्वाभरणानि च ॥**

આ સ્થાનના અમુક વૃક્ષ તો ઈચ્છાનુસાર ફળ આપે છે. બીજા ક્ષીરી નામના અનેક વૃક્ષો છે જેમાંથી સદા અમૃત સમાન દૂધ અને રસો ઝર્યા કરે છે. આ જ વૃક્ષોમાંથી વસ્ત્રો અને તેમના ફળોમાંથી ઘરેણાં પ્રાપ્ત થાય છે. (મહા. ભીષ્મપર્વ)

**वयं वनचरा गोपाः सदा गोधनजीविनः। गावोऽस्मदैवतं विद्धि गिरयश्च वनानि च ॥**

આપણે વનમાં રહેવાવાળા ગોપાલ છીએ અને ગોધનથી પોતાની આજીવિકા ચલાવીએ છીએ. આથી આપને ખબર હોવી જોઈએ કે ગાયો, વન અને પર્વત, આ જ આપણા દેવ છે. (મહા. ખિલપર્વ)

**घनानामपि वृक्षाणामाकाशोऽस्ति न संशयः । तेषां पुष्पफले व्यक्तिर्नित्यं समुपलभ्यते ॥ १२-१७७-१०**

વૃક્ષો ઘનીભૂત છે છતાં તેમનામાં આકાશ તો છે જ તે વાતમાં કોઈ શંકા નથી, કેમકે સદાય તેમનામાં ફળ તથા ફૂલ આવ્યાં જ કરે છે !

**ऊष्मतो ग्लानपर्णानां त्वक्फलं पुष्पमेव च । म्लायते चैव शीतेन स्पर्शस्तेनात्र विद्यते ॥ १२-१७७-११**

ગરમીથી તેમનાં પાંદડાં, છાલ, ફળ તથા ફૂલ કરમાય છે. ઠંડીથી પણ પ્લાન થાય છે, તેથી (એમને વિષે) સ્પર્શ (સિદ્ધ થાય) છે.

**वाय्वग्न्यशनिनिष्पेषैः फलपुष्पं विशीर्यते । श्रोत्रेण गृह्यते शब्दस्तस्माच्छृण्वन्ति पादपाः ॥ १२-१७७-१२**

વાયુ, અગ્નિ, વીજળી તથા (મેઘના) કડાકાથી ફળ તથા ફૂલ નાશ પામે છે. (વૃક્ષો) શ્રવણેન્દ્રિયથી શબ્દનું ગ્રહણ કરે છે, તેથી તેઓ સાંભળે (પણ) છે.

**वल्ली वेष्टयते वृक्षं सर्वतश्चैव गच्छति । न ह्यदृष्टेश्च मार्गोऽस्ति तस्मात्पश्यन्ति पादपाः ॥ १२-१७७-१३**

વેલ વૃક્ષને વીંટળાય છે અને ચારેબાજુ ફેલાય છે. જોયા વગર માર્ગ સૂઝે (જ) નહિ, તેથી વૃક્ષો જુએ (પણ) છે.

**पुण्यापुण्यैस्तथा गन्धैर्धूपैश्च विविधैरपि । अरोगाः पुष्पिताः सन्ति तस्माज्जिघ्रन्ति पादपाः ॥ १२-१७७-१४**

પવિત્ર તથા અપવિત્ર ગંધ તથા અનેકવિધ ધૂપોની ગંધથી વૃક્ષો રોગરહિત થઈ પુષ્પિત તથા ફલિત થાય છે, તેથી ફૂલો સૂંઘે (પણ) છે.

**पादैः सलिलपानं च व्याधीनामपि दर्शनम् । व्याधिप्रतिक्रियत्वाच्च विद्यते रसनं द्रुमे ॥ १२-१७७-१५**

મૂળથી વૃક્ષો (પાણી) પીએ છે, વૃક્ષોમાં રોગ પણ દેખાય છે તથા રોગનો ઉપચાર પણ (ઔષધિ સિંચવાથી) થાય છે, તેથી વૃક્ષોમાં જીભ (રસનેન્દ્રિય) પણ હોય છે.

**वक्त्रेणोत्पलनालेन यथोर्ध्वं जलमाददेत् । तथा पवनसंयुक्तः पादैः पिबति पादपः ॥ १२-१७७-१६**

કમળની દાંડી (ભૂંગળી) રૂપ મુખથી જેમ જળ ઉપર ખેંચી શકાય, તે રીતે પવનની સહાયથી વૃક્ષ મૂળિયાંથી (જળ) પીએ છે.

ग्रहणात्सुखदुःखस्य छिन्नस्य च विरोहणात् । जीवं पश्यामि वृक्षाणामचैतन्यं न विद्यते ॥ १२-१७७-१७

સુખ તથા દુઃખનો અનુભવ કરવાથી તથા કાપેલા (વૃક્ષ)ના ફરી ઊગવાથી વૃક્ષોમાં હું જીવ જોઉં છું. તેમનામાં અચૈતન્ય (જડતા) નથી.

तेन तज्जलमादत्तं जरयत्यग्निमारुतौ । आहारपरिणामाच्च स्नेहो वृद्धिश्च जायते ॥ १२-१७७-१८

તે (વૃક્ષ) વડે (જે) તે જળ સ્વીકારાયું (તેને) અગ્નિ (તાપ) અને પવન પચાવે છે. આહાર (પાણી, ખાતર)ના પરિણામ (પાચન)થી (વૃક્ષોમાં) સ્નેહતા અને વૃદ્ધિ જન્મે છે.

जङ्गमानां च सर्वेषां शरीरे पञ्च धातवः । प्रत्येकशः प्रभिद्यन्ते यैः शरीरं विचेष्टते ॥ १२-१७७-१९

બધાં જંગમ (પ્રાણીઓ)ના શરીરમાં પાંચ ધાતુઓ (રહેલી) છે, પણ તે જુદા-જુદા પ્રકારે રહેલી છે, જેથી (તેમનું) શરીર ચેષ્ટા કરે છે. મહાભારત શાંતિપર્વ અધ્યાય-૧૭૭ ભાંડારકર ગુજરાતી આવૃત્તિ

## રામાયણ નિયત શોલ્ક

गृहासमीरणो गन्धान् नानापुष्पभवान् बहून् । घ्राणतर्पणमभ्येत्य कं नरं न प्रहर्षयेत् ॥

2-94-14

વિવિધ પ્રકારના પુષ્પોની પ્રચુર સુગંધ લઈને ગુફાઓમાંથી નીકળેલી હવા નાકને પરિતૃપ્ત કરતી કયા પુરુષ પાસે આવીને તેનો આનંદ નથી વધારી રહી?

इमां हि रम्यां गजयूथलोडितां निपीततोयां गजसिंहवानरैः ।

सुपुष्पितां पुष्पभरैरलंकृतां न सोऽस्ति यः स्यान्न गतक्लमः सुखी ॥

2-95-18

હાથીઓના જેને સમૂહ મથી નાખે છે તથા સિંહ અને વાંદરા જેનું પાણી પીએ છે, જેના કિનારે સુંદર ફૂલોથી લદાયેલા વૃક્ષો શોભા પામે છે અને પુષ્પસમૂહોથી જે અલંકૃત છે, તેવી આ રમણીય મંદાકિની નદીમાં સ્નાન કરીને જે ઝાનિરહિત તથા સુખી ન થાય-એવો મનુષ્ય આ જગતમાં નથી.

शैलप्रस्थेषु रम्येषु पश्यमान् कामहर्षणान् । किंनरान् दवन्द्वशो भद्रे रममाणान् मनस्विनः ॥

2-94-11

આ સુંદર પર્વત શિખરો પરના એ પ્રદેશોને જો, જે પ્રેમમિલનની ઈચ્છામાં વૃદ્ધિ કરીને આંતરિક હર્ષને વધારનારા છે. ત્યાં કિન્નર યુગલો આમતેમ ફરી રહ્યા છે.

नानामृगगणैर्दवीपितरक्ष्वक्षगणैर्वृतः । अदुष्टैर्भात्ययं शैलो बहुपक्षिसमाकुलः ॥

2-94-7

આ પર્વત અસંખ્ય પક્ષીઓથી વ્યાપ્ત છે અને વિવિધ પ્રકારના હરણો, મોટામોટા વાઘો (સિંહો), ચિતાઓ તથા રીંછોથી ભરેલો છે. તે સિંહ આદિ હિંસક જીવો પોતાની દૃષ્ટતા છોડીને અહીં રહે છે અને આ પર્વતની શોભા વધારે છે. વાયુ પ્રદૂષણ - વિનાશ

तद् यामस्तत्र यत्रास्ते मारुक्प्रदोरुतो ही नः । मा विनाशं गमिष्याम अप्रसाद्यादितेः सुताः ॥

7-35-63

અદિતિપુત્રો, હવે આપણે એ સ્થાન પર જવું જોઈએ, જ્યાં આપણને બધાને પીડા આપનારા વાયુદેવતા છુપાઈને બેઠા છે. ક્યાંક એવું ન થઈ જાય કે એમને પ્રસન્ન કર્યા વિના આપના સર્વનો નાશ થઈ જાય.

निःस्वाध्यायवषट्कारं निष्क्रियं धर्मवर्जितम् । वायुप्रकोपात् त्रैलोक्यं निरयस्थमिवाभवत् ॥

7-35-52

ત્રણે લોકમાં ન તો ક્યાંય વેદાધ્યયન થતું હતું કે ન યજ્ઞ. બધી ધાર્મિક પ્રવૃત્તિઓ અટકી ગઈ. વાયુપ્રકોપના કારણે ત્રિભુવનનાં પ્રાણીઓ એવું કષ્ટ ભોગવવા લાગ્યા કે જાણે નરકમાં પડી ગયા હોય.

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः । यत् क्रौंचमिथुनादेकमवधीः काममोहितम् ॥

1.2.15

હે નિષાદ, તને અનંતકાળ સુધી (પ્રતિષ્ઠા) શાંતિ મળશે ન મળે, કારણ કે તે પ્રેમક્રીડામાં લીન એવા બે ક્રૌંચ પક્ષીઓમાંથી એકની હત્યા કરી દીધી.

आश्रमं चिरसम्बृद्धं यद्विनाशितवानसि । दुराचारोऽसि तन्मूढ तस्मात्त्वं न भविष्यसि ॥

1.55.27

તે લાંબા સમયથી વિકસાવેલા તથા હર્યાભર્યા કરેલા આશ્રમનો નાશ કર્યો-ઉજાડી નાખ્યો. તું દુરાચારી અને વિવેકહીન છો, અને આ પાપના કારણે તું કુશળ નહિ રહી શકે.

वसिष्ठो भरतश्चैनं पप्रच्छतुरनामयम् । शरीरेऽग्निषु वृक्षेषु शिष्येषु मृगपक्षिषु ॥

2.90.8

વસિષ્ઠ અને ભરતે મહર્ષિના શરીર, અગ્નિહોત્ર, શિષ્યવર્ગ, વૃક્ષ-ફૂલો, મૃગ-પક્ષી વગેરેના કુશળપ્રશ્ન પૂછ્યા.

ते वृक्षानुदकं भूमिमाश्रमेषूटजांस्तथा । न हिंस्युरिति तेनाऽहमेक एव समागतः ॥

2.91.9

તેઓ આશ્રમના વૃક્ષો, પાણી, ભૂમિ, અને પર્ણશાળાઓને હાનિ ન પહોંચાડે એટલા માટે હું એકલો જ અહીં આવ્યો છું.

विषये ते महाराज महाव्यसनकर्षिताः । अपि वृक्षाः परिम्लानास्सपुष्पाङ्कुरकोरकाः॥

2.59.4

हे महाराज, તમારા રાજ્યમાં વૃક્ષો પણ આ મહાન સંકટથી કૃશકાય થઈ ગયા છે, પુષ્પો અંકુર અને કળીઓ સહિત મુરઝાઈ ગયા છે.

अकर्ममिदं तीर्थं भरद्वाज निशामय । रमणीयं प्रसन्नान्बु सन्मनुष्यमनो यथा ॥

1.2.5

હે ભરદ્વાજ, જુઓ, અહીંનો ઘાટ ખૂબ જ સુંદર છે. અહીં કાદવનું કોઈ નિશાન નથી. અહીંનું જળ એવું જ સ્વચ્છ છે, જેવું સત્પુરુષોનું મન હોય છે.

मूले ब्रह्मा त्वचा विष्णु शाखा शंकरमेव च ।पत्रे पत्रे सर्वदेवायाम् वृक्ष राजो नमोस्तुते ॥

જેના મૂળમાં બ્રહ્મા, ત્વચામાં વિષ્ણુ, ડાળીઓમાં શંકર તથા પાંદડે-પાંદડે સર્વ દેવોનો વાસ છે એવાં વૃક્ષોના રાજા, હે પીપળા ! તને નમસ્કાર.

#### स्कन्दपुराण

अश्वत्थमेकम् पिचुमन्दमेकम् न्यग्रोधमेकम् दश चित्रिणीकान्।

कपित्थबिल्वा मलकत्रयञ्च पञ्चा ममुप्त्वा नरकन्न पश्येत्॥

એક પીપળો, એક કડવો લીમડો, એક વડ, દશ ખાટી આમલી, કપિત્થ (કોઠાનું વૃક્ષ), બીલી તથા આમળાનાં ત્રણ તથા પાંચ આમ્ર; જે કોઈ આ વૃક્ષોનું રોપણ કરી તેમની દેખભાળ કરશે તેને નર્કનાં દર્શન નહિ કરવા પડે.

#### श्रीमद्भागवत पुराण, अध्याय, 23

पश्यतैतान् महाभागान् परार्थैकान्तजीवितान्। वातवर्षातपहिमान् सहन्तो वारयन्ति नः॥३२॥

અર્થાત્:- મારા પ્રિય મિત્રો! જોવો આ વૃક્ષ કેટલા ભાગ્યવાન છે. તેમનો જીવન બીજાની ભલાઈ કરવા માટે જ છે. તે પોતે તો પવનનાં વેગને, વર્ષાને, તાપને, ઠંડીને સહન કરે છે, પણ આપણી તેનાથી રક્ષા કરે છે.

अहो एषां वरं जन्म सर्वप्राण्युपजीवनम्। सुजनस्येव येषां वै विमुखा यान्ति नार्थिनः॥३३॥

અર્થાત્:- હું કહું છું કે આમનો જ જીવન શ્રેષ્ઠ છે. કારણ કે એમના દ્વારા બધા પ્રાણીઓને આસરો મળે છે, જીવન-નિર્વાહ થાય છે. જેમ કોઈ સજ્જન વ્યક્તિનાં ગૃહેથી કોઈ ખાલી હાથે જતું નથી, તેમ આ વૃક્ષો પાસેથી બધાને યથેચ્છ મળી જ જાય છે.

पत्रपुष्पफलच्छयामूलवल्कलदारुभिः। गन्धनिर्यासभस्मास्थितोकमैः कामान् वितन्वते॥३४॥

અર્થાત્:- આ વૃક્ષ પાન, ફૂલ, ફળ, છાયા, મૂળિયાં, છાલ, લાકડી, ગુંદ, ગંધ, રાખ, કોલસા, અંકુર અને કૂંપણોથી લોકોની કામના પૂર્ણ કરે છે.

एतावज्जन्मसाफल्यं देहिनामिह देहिषु। प्राणैरर्थैर्धिया वाचा श्रेय एवाचरेत् सदा॥३५॥

અર્થાત્:- મારા પ્રિય મિત્રો! સંસારમાં તો પ્રાણીઓ ઘણાબધા છે પણ તેમના જીવનની સફળતા એટલામાં જ છે કે જ્યાં સુધી થઈ શકે ત્યાં સુધી પોતાના ધનથી, વિવક વિચારથી, વાણીથી અને પ્રાણોથી પણ એવા જ કર્મો કરવા જેથી બીજાનું ભલું થાય.

#### પ્રશ્નપત્રનું માળખું

પરીક્ષા સમય : ૨:૦૦ કલાક

Exam Time : 2:00 Hrs.

પ્રશ્ન ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પ્રશ્ન પ્રકાર	ગુણભાર
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
2	2	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
3	1,2	ટૂંકા પ્રશ્નો (૮માંથી ૫) Short questions (5 out of 8)	૦૫ 05



KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A. SEMESTER – 2

COURSE –DSCM201  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
MADHYAMVYAYOG, KARNBHARAM

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	रूपकस्य उद्भवः, विकासः, लक्षणानि, कविपरिचयः, जीवन-कृतय-समयः, भास समस्या
UNIT 2	मध्यमव्यायोग कृति - अभ्यासः अनुवाद संदर्भ
UNIT 3	कर्णभारम् कृति - अभ्यासः
UNIT 4	व्यञ्जनसन्धि (सूत्रो नहीं)

आधार ग्रंथोः मध्यमव्यायोग प्रा. वसंत भट- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
मध्यमव्यायोग -डॉ.ऐन. आर. पाटीदार, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
भासनां रूपकोनुं परिशीलन, डॉ.वसन्त भट्ट, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
भास समस्या- डॉ. बलदेव उपाध्याय  
कर्णभारम् - डो. विजय पंडया, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
कर्णभारम् - प्रो. पी.सी.दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
संधि - संस्कृत भारती  
अनुवाद चंद्रिका - डो. वसंत भट्ट

**प्रश्नपत्रनुं माणपुं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1, 2	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	(अ)अनुवाद (४मांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ ०४ ०६ 10
3	2, 3	विवेचनात्मक नोध : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
4	4	(अ) संधि करो. (१२ मांथी १०) (ब) संधि छोडो. (१२ मांथी १०) (A)Do Sandhi (10 out of 12) (B)Dissolve Sandhi (10 out of 12)	०५ ०५ ०५ ०५ 10
5	1 to 4	टूका प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A. SEMESTER – 2

COURSE –DSCM202  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
SUNDARKAND (NIYATANSH)

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	कविः, जीवनं-कवनं-समयः रामायण-उद्भव-विकासः, प्रचारः, प्रसारः रामायण-आर्ष महाकाव्यम्, परवर्ती साहित्य उपरि प्रभावः, रामायणकालीनः समाजः, संस्कृति
UNIT 2	सर्ग- १०,१३,१४,१८,१९,२०,२१
UNIT 3	सर्ग- २६,३०,३९,४६,४८,४९,५०,५१
UNIT 4	विसर्ग संधि

आधार ग्रंथोः वाल्मीकि रामायण-सुंदरकांड, डो. विजय पंडया पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
वाल्मीकि रामायण-सुंदरकांड-आर.पी. महेता, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
वाल्मीकि रामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर  
संधि – संस्कृत भारती  
अनुवाद यंत्रिका – डो. वसंत लड्डे

**प्रश्नपत्रं माण्डुं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1, 2	निर्बंधात्मक प्रश्न अथवा निर्बंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2, 3	विवेचनात्मक नोट : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
3	2, 3	(अ)अनुवाद (४मांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ ०४ ०६ 10
4	4	(अ) संधि करो. (१२ मांथी १०) (ब) संधि छोडो. (१२ मांथी १०) (A)Do Sandhi (10 out of 12) (B)Dissolve Sandhi (10 out of 12)	०५ ०५ ०५ ०५ 10
5	1 to 4	टूट्टा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A. SEMESTER – 2

COURSE –MI201  
CREDIT- 04

SANSKRIT  
**SWAPNAVASVDATTAM - BHAS**

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	रूपकस्य उद्भवः, विकासः, लक्षणानि, कविपरिचयः, जीवन-कृतयः-समयः, स्वप्नवासवदत्तमस्य आधारस्थानानि - परिवर्तन नाटकस्य - मूल्यांकनम्
UNIT 2	स्वप्नवासवदत्तम् : अङ्क १ - ३ कृति - अभ्यासः
UNIT 3	स्वप्नवासवदत्तम् : अङ्क ४ - ५ कृति - अभ्यासः
UNIT 4	स्वर संधि (मात्र संधि – सुत्रो शीभववा नही)

आधार ग्रंथोः स्वप्नवासवदत्तम् डॉ. शान्तिकुमार पंड्या, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
स्वप्नवासवदत्तम् प्रा. पी.सी. दवे- सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
संस्कृत साहित्यनो परिचय- ए.डी. शास्त्री, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
भासनां रूपकोनुं परिशीलन, डॉ. वसन्त लड्डे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
भास समस्या- डॉ. बलदेव उपाध्याय  
संस्कृत वाक्य संरचना, सन्धि : संस्कृत भारती

**प्रश्नपत्रनुं माणभुं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणत्वार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1, 2	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2, 3	(अ) अनुवाद (४मांथी २) (ब) संदर्भ समजूति (६मांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०६ 04 06 10
3	2, 3	विवेचनात्मक नोध : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
4	4	(अ) संधि करो. (१२ मांथी १०) (ब) संधि छोडो. (१२ मांथी १०) (A) Do Sandhi (10 out of 12) (B) Dissolve Sandhi (10 out of 12)	०५ ०५ 05 05 10
5	1 to 4	टूट्टा प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
B.A. SEMESTER – 2

COURSE –MD201

SANSKRIT

CREDIT- 04

**BUDDHACHARITAM SARG – 3 (ASHAVAGHOSH)**

MARKS : 50+50=100

UNIT 1	कवि-जीवनं समयः कृतयः महाकाव्यस्य उद्भवः , विकासः, लक्षणानि , बुद्धचरितस्य मूल्यांकनम्
UNIT 2	सर्ग-३ श्लोकः १ तः २४
UNIT 3	सर्ग-३ श्लोकः २५ तः ४६
UNIT 4	सर्ग-३ श्लोकः ४७ तः ६५

आधार ग्रंथोः बुद्धचरितम् – सर्ग ३ – प्रा. सुरेश जे. दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद  
बुद्धचरितम् – सर्ग ३ – डॉ. शान्ति कुमार पंडया, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद

**प्रश्नपत्रं भाष्यं**

परीक्षा समय : २:३० कलाक

Exam Time : 2.30 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2, 3, 4	विवेचनात्मक नोधः (४ भांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
3	2,3	(अ)अनुवाद (४भांथी २) (ब)संदर्भ समजूति (५भांथी ३) (A) Translation of Verse ( 2 out of 4) (B) Reference to the context ( 3 out of 6)	०४ ०५ ०४ ०६ 10
4	1 to 4	विवेचनात्मक नोधः (४ भांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
5	1 to 4	टूटा प्रश्नो (८भांथी ५) Short questions (5 out of 8)	१० 10

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER – 2

COURSE –AEC201  
CREDIT- 02

SANSKRIT  
**HITOPDESH ( SELECTED STORIES)**

MARKS : 25+25=50

UNIT 1	कथासाहित्यम् उद्भवः, विकासः भारतीय पशुकथा परंपरा कवि परिचयः
UNIT 2	१. चित्रग्रीव कपोत : कथा २. कर्पूर तिलक :हस्ती कथा ३. व्याघ्रः लुब्धब्राह्मणस्य च कथा ४. शृगालः, मृगः काकः च कथा ५. जरद्गव गृध्रः दीर्घकर्णः बिडालः च ।

आधार ग्रंथोः हितोपदेश-मित्रलाल – डॉ. शान्तिकुमार पंड्या, डॉ. प्रयेता पंड्या, पार्श्वप्रकाशन, अमदावाद  
हितोपदेश-मित्रलाल – प्रा. सुरेश ज. दवे-सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाद

**प्रश्नपत्रं माण्डुं**

परीक्षा समय : २:०० कलाक

Exam Time : 2:00 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणान्तर
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	विवेचनात्मक नोट : (४ मंथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
3	1 to 2	टूट्टा प्रश्नो (८ मंथी ५) Short questions (5 out of 8)	०५ 05

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER – 2

COURSE –SEC 201  
CREDIT- 02

SANSKRIT  
**YOGA PART—2(Niyatansh)**

MARKS : 15+10+25=50  
(Theory +Practical+Internal)

UNIT 1	Study Of Patanjali Yoga Sutras. (Pad -2.29 To 55,Pad-3.1 To 8 Ashtanga Yoga In Patanjali Yogasutras. Yama,Niyama,Asana, Pranayama,Pratyahara, Dharana,Dhyana & Samadhi.
UNIT 2	Surya Namaskara. (Tadasana, vrikshasana, padmasana, vajrasana, shashankasana, paschimottanasana, vakrasana, shavasana.) Shatkarma. Mudra & Bandha. Concept of puraka rechaka and kumbhaka. Nadi shodhana.

આધાર ગ્રંથો: પતંજલી યોગસૂત્ર  
યોગવિદ્યા – પૂ. ભાણદેવજી – પ્રવિણ પ્રકાશન, રાજકોટ  
યોગાસન – ડો. પી.ડી.શર્મા – નવનીત પબ્લિકેશન, અમદાવાદ  
કોમન યોગ પ્રોટોકોલ – ગુજરાત રાજ્ય યોગ બોર્ડ, ગાંધીનગર

**પ્રશ્નપત્રનું માળખું**

પરીક્ષા સમય : ૧:૦૦ કલાક

Exam Time : 1.00 Hrs.

પ્રશ્ન ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પ્રશ્ન પ્રકાર	ગુણભાર
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1,2	વિવેચનાત્મક નોંધ : (૪ માંથી ૨) Critical Notes (2 out of 4)	૧૦ 10
2	1,2	ટૂંકા પ્રશ્નો (૧૨ માંથી ૧૦) Short questions (10 out of 12)	૦૫ 05

ક્રમ	યુનિટ ક્રમ	પરીક્ષાનો પ્રકાર	ગુણ
1	1,2	યુનિવર્સિટી પ્રેક્ટિકલ પરીક્ષા	૧૦

KSKV KACHCHH UNIVERSITY - BHUJ  
DEPARTMENT OF SANSKRIT  
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM  
SEMESTER SYSTEM – 2023-24  
ARTS / COMMERCE / SCIENCE SEMESTER –2

COURSE – IKS 201 SANSKRIT  
CREDIT- 02 **Idea of Personality Development in Bhagwad Geeta  
(Niyatansh)**

MARKS : 25+25=50

UNIT 1	Introduction of Bhagwad Geeta, Importance of Bhagwad Geeta in words of great thinkers (Vinoba Bhave, K. M. Muni, Pandurang Dada, Mahatma Gandhi, Bal Gangadhar Tilak), Bhagwad Geeta as a book of humanity, Indian concept of personality development Characteristics of 'स्थितप्रज्ञ' (Shlok - 2.54 to 2.72)
UNIT 2	Adhyay 6 (complete) Characteristics of भगवद् भक्तः (Shlok 12.13 to 12.20) Adhyay 16 (Shlok 1 to 5)

- संदर्भ ग्रंथो :
१. श्रीमद्भगवद्गीता, प्रि. सी. अल. शास्त्री, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाड
  २. श्रीमद्भगवद्गीता, प्रो. डो. एस. डी. जाला, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाड
  ३. श्रीमद्भगवद्गीता, पार्श्व प्रकाशन, अमदावाड
  ४. श्रीमद्भगवद्गीता, सर्वपल्ली राधाकृष्णन्
  ५. श्रीमद्भगवद्गीतामां निरूपित कर्मबंधनमांथी मुक्ति अने कर्मबंधननो अत्माव,
  ६. डो. वसन्त लड्डे, सरस्वती पुस्तक भंडार, अमदावाड

**प्रश्नपत्रनुं माणभुं**

परीक्षा समय : २:०० कलाक

Exam Time : 2:00 Hrs.

प्रश्न क्रम	युनिट क्रम	प्रश्न प्रकार	गुणभार
No.	Unit No.	Type of Question	Weightage
1	1	निबंधात्मक प्रश्न अथवा निबंधात्मक प्रश्न Descriptive question or Descriptive question	१० 10
2	2	विवेचनात्मक नोध : (४ मांथी २) Critical Notes (2 out of 4)	१० 10
3	1,2	टूटका प्रश्नो (८मांथी ५) Short questions (5 out of 8)	०५ 05

## : EXIT COURSE :

- a. સંવાદશાળાનો ૧૫ (પંદર) દિવસ ઓફલાઇન અભ્યાસક્રમ –  
નવીદિલ્હી/બનારસ – <https://www.sanskritabharati.in>
- b. ગુજરાત સંસ્કૃત બોર્ડ, ગાંધીનગર દ્વારા ૧૦(દસ) દિવસનો  
ઓફલાઇન અભ્યાસક્રમ - <https://gujarat-rajya-sanskrit-board.business.site>
- c. સંસ્કૃત ભારતી - <https://sanskritabharati.in>